हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम की महिमा हो।

आइए हम बाइबल का अध्ययन करें और उन बातों को याद करें जिन्हें हमने पहले भी अलग-अलग स्थानों पर सीखा है।

बहुत से लोग पूछते हैं: क्या बपतिस्मा वास्तव में आवश्यक है? उत्तर है — हाँ, यह बहुत आवश्यक है, और थोड़ा सा नहीं। शैतान नहीं चाहता कि लोग सही बपतिस्मा के पीछे छिपे रहस्य को जानें, क्योंकि वह इसके प्रभावों को जानता है।

जब इस्राएली मिस्र से निकल रहे थे, तब फ़िरौन उन्हें लगातार पीछा कर रहा था। लेकिन जैसे ही वे लाल समुद्र को पार कर गए और फ़िरौन की सारी सेना उस समुद्र में डूब गई, उसी पल फ़िरौन और उसकी सेना का पीछा करना समाप्त हो गया।

निर्गमन 14:26–30
“तब यहोवा ने मूसा से कहा, ‘अपना हाथ समुद्र के ऊपर फैला, कि जल मिस्रियों, उनके रथों और उनके घोड़ों पर लौट आए।’
और मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर फैलाया; और भोर होते-होते समुद्र अपनी पूरी शक्ति से अपने स्थान पर लौट आया। मिस्री इसके

सामने से भागे, परन्तु यहोवा ने मिस्रियों को समुद्र के बीच में उलट दिया।
जल लौट आया और रथों व सवारों को ढँक लिया — फ़िरौन की सारी सेना को, जो इस्राएलियों का पीछा करते हुए समुद्र में गई थी। उनमें से एक भी न बचा।
परन्तु इस्राएली समुद्र के बीच सूखी भूमि पर चलकर निकल गए, और जल उनके दाहिने और बाएँ दीवार के समान था।
इस प्रकार उस दिन यहोवा ने इस्राएल को मिस्रियों के हाथ से बचा लिया; और इस्राएलियों ने समुद्र तट पर मिस्रियों को मरा हुआ देखा।”

तो ऐसा क्या रहस्य था कि फ़िरौन का अंत लाल समुद्र में ही हुआ? उत्तर सरल है: वही बपतिस्मा, जिसे इस्राएलियों ने उस समुद्र के बीच से होकर अनुभव किया।

आप पूछ सकते हैं: क्या इस्राएली वास्तव में लाल समुद्र में बपतिस्मा लिए थे?
उत्तर है — हाँ!

1 कुरिन्थियों 10:1–2
“हे भाइयों, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अनजान रहो कि हमारे पूर्वज सब बादल के नीचे थे, और सब समुद्र के बीच से निकल गए;

और सब बादल और समुद्र में मूसा का बपतिस्मा पाए।”

देखा आपने? पानी के बीच से बिना हानि के निकलना बपतिस्मा के समान ठहराया गया है। और ठीक वही बपतिस्मा शैतान और उसकी सेना के काम को समाप्त करता है — चाहे इस्राएल को पहले निकलने की अनुमति क्यों न मिल चुकी थी।

इसी प्रकार आज सही बपतिस्मा — अर्थात् बहुत से पानी में डुबकी — भी वही कार्य करता है। जब तुम पानी में उतरते हो, यीशु के नाम में बपतिस्मा लेते हो, और पानी से बाहर आते हो, तो तुम शान्ति और आनन्द के साथ निकलते हो; लेकिन तुम्हारे पीछे वे दुष्ट आत्माएँ, जो तुम्हारा पीछा करती थीं, जल में नष्ट हो जाती हैं।

इसलिए पानी तुम्हारे लिए उद्धार का चिन्ह है, और शैतान व उसकी सेनाओं के लिए नाश का स्थान। इसी कारण प्रभु यीशु ने आत्मा में कहा कि जब एक दुष्ट आत्मा किसी मनुष्य से निकलती है, तो वह “निर्जल स्थानों” में घूमती है, अर्थात् ऐसे स्थान जहाँ पानी नहीं होता, विश्राम पाने की खोज में। और अगर वह लौटकर पाती है कि घर खाली है, तो वह सात और दुष्ट आत्माओं को लाती है, और उस मनुष्य की अंतिम दशा पहली से भी बुरी हो जाती है।

अर्थात्, यदि दुष्ट आत्माएँ किसी मनुष्य को छोड़ दें, और वह मनुष्य अपनी मुक्ति को पूरा न करे — जिसमें शास्त्रों के

अनुसार पूरे शरीर को जल में डुबोकर लिया गया सही बपतिस्मा और पवित्र जीवन शामिल है — तो वह खतरे में है कि वही अंधकार की शक्तियाँ वापस लौट आएँ। इसलिए सही बपतिस्मा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बपतिस्मा कोई नई धर्म-प्रथा नहीं है; यह हमारे प्रभु यीशु की आज्ञा है — हमारे लाभ के लिए, जैसे पानी इस्राएलियों की रक्षा के लिए था। यदि वह जल न होता तो फ़िरौन उनका पीछा करता रहता।

शैतान और उसकी आत्माएँ उसी मनुष्य का पीछा करती रहेंगी जिसने अपनी मुक्ति को पूरा नहीं किया। पर प्रभु ने अपने वचन में पहले ही कह दिया है:
“जो विश्वास करेगा और बपतिस्मा लेगा, वही उद्धार पाएगा।”
ये दोनों बातें साथ-साथ चलती हैं, अलग नहीं की जा सकतीं। अन्यथा शत्रु के हाथ से बचना बहुत कठिन है।

उसी घटना को याद कीजिए, जब उस मनुष्य में “लैगियन” नाम की बहुत-सी दुष्ट आत्माएँ थीं। जब वे आत्माएँ उससे निकलीं, तो उन्होंने सूअरों में प्रवेश किया, और वे सूअर पानी में जाकर नाश हो गए। यह फ़िरौन और उसकी सेना के जल में नष्ट होने का ही एक और उदाहरण है। आप देख सकते हैं कि पानी और शत्रु की सेनाओं के विनाश का घनिष्ठ संबंध है। इसलिए बपतिस्मा बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे ही कोई व्यक्ति विश्वास करता और पश्चाताप करता है, उसे तुरन्त बपतिस्मा लेना चाहिए।

यह बहुत आश्चर्य की बात होगी यदि कोई कहे कि वह बचा लिया गया है, परन्तु महीने और साल बीत जाएँ और वह अभी तक बपतिस्मा न लिया हो। ऐसे व्यक्ति की उद्धार-सम्बन्धी समझ कैसी है?

प्रभु तुम्हें बहुत आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp